वर्ष 38 अंक 184
पृष्ठ 24+4=28
लखनऊ, सोमवार
24 अप्रैल 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

जल, वन व धरा हमारी प्राकृतिक धरोहर हैं

रिवर बैंक कालोनी स्थित इंस्टीट्यूशन भवन आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित लोगा • जागरण

जागरण संवाददाता, लखनऊ : जल, वन और धरती के प्रति हो रहा अन्याय समय रहते न रुका तो स्थिति भयावह होगी। यदि हम पर्यावरण संरक्षण के पथ से भटक गए हैं, तो हमें अपने आप को सुधारना होगा। चूंकि जल, वन और धरा हमारी प्राकृतिक धरोहर हैं। इसी में हमारा भविष्य निहित है। यह कहना था अखिल भारतीय क्षेत्रीय भाषा समिति के अध्यक्ष ई भरत सिंह का।

रविवार को द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स की प्रदेश इकाई की ओर से हिंदी भाषा में जल एवं धरती चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। रिवर बैंक स्थित कार्यालय में आयोजित गोष्ठी

द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स की प्रदेश इकाई की ओर से हिंदी भाषा में किया गया गोष्ठी का आयोजन

में पूर्व मुख्य वन संरक्षक मोहम्मद अहसन ने वन की परिभाषा, प्रकार व इसकी महत्ता के बावत लोगों को विस्तार पूर्वक बताया। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के अध्यक्ष ई भरत सिंह ने कहा कि घटते जलस्त्रोत, खराब होती धरती व काटे गए वन फिर से स्थापित करने होंगे। तभी पर्यावरण को संतुलित किया जा सकेगा।